साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom Of Speech
RNI. NO. MPHIN/2015/76299
संपादक-नागेश नरवरिया
YP24 NEWS
जिले एवं तहसीलों में संवाददाता नियुक्त करना है संपर्क करें ...
संपर्क करे- 9425156055
वर्ष-10 अंक-13 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 08 मई 2026 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ-08 मूल्य 2 रूपये

उप मुख्यमंत्री से एम्स भोपाल के प्रतिनिधिमंडल ने भेंट कर अंग प्रत्यारोपण के सुदृढ़ीकरण पर किया विचार विमर्श

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल से मंत्रालय में एम्स भोपाल के प्रतिनिधिमंडल ने भेंट कर प्रदेश में ऑर्गन ट्रांसप्लांट गतिविधियों के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण के संबंध में विस्तृत चर्चा की। प्रदेश में ऑर्गन ट्रांसप्लांट गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार प्रयासरत है। ऑर्गन डोनर्स को ÷गार्ड ऑफ ऑनर÷ प्रदान कर तथा उनके परिजनों को 26 जनवरी एवं 15 अगस्त के अवसर पर सार्वजनिक रूप से सम्मानित कर प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऑर्गन डोनेशन से हम कई जिंदगियों में आशा का नया प्रकाश ला सकते हैं।आमजन में ऑर्गन डोनेशन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए निरंतर जन-जागरूकता अभियान, कार्यशालाएँ एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे अधिक से अधिक लोग इस पुनीत कार्य से जुड़ सकें। राज्य सरकार ऑर्गन ट्रांसप्लांटेशन के क्षेत्र में एम्स के तकनीकी सहयोग एवं सुझावों का स्वागत करती है। उन्होंने एम्स द्वारा अब तक किए गए ऑर्गन ट्रांसप्लांट सेवाओं एवं जागरूकता गतिविधियों की सराहना भी की। उप मुख्यमंत्री ने निदेशक प्रो. डॉ. मधाबानंद कर सहित समस्त प्रतिनिधिमंडल को सम्मानित किया। बैठक में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत किडनी ट्रांसप्लांट पैकेज में वृद्धि करने और हार्ट एवं लंग ट्रांसप्लांट को शामिल करने के विषय पर चर्चा हुई। साथ ही प्रत्यारोपण सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ करने की संभावनाओं पर भी विचार किया गया। अंग प्राप्ति प्रक्रिया को और प्रभावी बनाने के लिए संभावित ब्रेन-डेड डोनर्स की समय पर पहचान एवं त्वरित रेफरल प्रणाली को मजबूत करने पर तकनीकी सहयोग के विषयों पर विमर्श किया गया। इस दिशा में प्रदेश के शासकीय अस्पतालों एवं मेडिकल कॉलेजों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने हेतु एक साझा डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित करने का सुझाव भी रखा गया, जिससे अंग प्राप्ति एवं प्रत्यारोपण की प्रक्रिया अधिक सुव्यवस्थित हो सके। उप मुख्यमंत्री अंग प्रत्यारोपण प्रक्रिया को सुदृढ़ बनाने एवं जागरूकता गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्राप्त सुझावों पर शीघ्र यथोचित कार्यवाही की जाएगी।बैठक में प्रत्यारोपण सर्जरी में आधुनिक तकनीकों, विशेष रूप से रोबोटिक सर्जरी के विस्तार पर भी चर्चा हुई, जिससे उपचार की गुणवत्ता और सफलता दर में वृद्धि सुनिश्चित की जा सके। एम्स की टीम ने हार्ट ट्रांसप्लांट, किडनी ट्रांसप्लांट में अब तक की गई प्रगति, लंग ट्रांसप्लांट सेवाओं के विस्तार तथा अन्य तकनीकी पहलुओं की जानकारी प्रस्तुत की। उप मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार की ओर से इन सेवाओं के विस्तार हेतु पूर्ण सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। बैठक में एम्स के निदेशक डिप्टी डायरेक्टर चिकित्सा अधीक्षक सहित ऑर्गन ट्रांसप्लांट टीम के सदस्य उपस्थित थे।

Article 43- कर्मकारों की मजदूरी एवं कर्मचारियों के वेतन हेतु राज्य के नीति निदेशक तत्व..

लेखक एडवोकेट बी. आर. अहिरवार (विधिक सलाहकार नर्मदापुरम) 9827737665

किसी भी उत्पादन एवं राष्ट्र के आर्थिक विकास में मजदूरों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। मात्र पूंजी के आधार पर कोई भी उद्योग सफल नहीं होता है,क्योंकि पूंजी से अधिक महत्व श्रम का होता है। श्रमिकों को जितनी अधिक सुविधाएं दी जाती है उतनी ही अधिक उनकी कार्य-क्षमता में वृद्धि होगी इसलिए भारतीय संविधान का अनुच्छेद 43 राज्य को क्या निर्देश देता है जानिए।

भारतीय संविधान अधिनियम,1950 के अनुच्छेद 43 की परिभाषा

राज्य, श्रमिकों की गरिमा एवं उनके व्यक्तित्व को बनाए रखने के लिए उन्हें निर्वाह योग्य मजदूरी देगा एवं उन्हें सामाजिक सुरक्षा प्रदान करेगा क्योंकि एक सामाजिक प्राणी होने के नाते मनुष्य की अनेक आवश्यकताएं होती हैं। मात्र रोटी, कपड़ा और मकान से ही उसकी सभी आवश्यकताएं पूरी नहीं होती है।

श्रमिकों को सामाजिक एवं परिवारिक दायित्वों के निर्वाह के लिए और भी कुछ चाहिए। अतः सामान्य जीवन स्तर के लिए आवश्यक न्यूनतम मजदूरी का निर्धारण न केवल संवैधानिक है अपितु समय के अनुकूल भी हैं।

MV Act ,1988-पशुओं को टक्कर मारकर फरार होने वाले वाहन चालक के खिलाफ क्या कार्वाई होगी, जानिए

मोटर यान अधिनियम,1988 की धारा 132 किसी भी मोटर वाहन चालक को रोकने के लिए उपनिरीक्षक को निम्न दशाओं में जैसे कि किसी व्यक्ति, पशु, वाहनों को आपस में भिड़त होने पर या किसी भी प्रकार की नुकसानी होने पर चालक को 24 घंटे तक रोकने की शक्ति प्रदान करती है एवं अधिनियम की धारा 133 के अनुसार मोटर वाहन चालक का कर्तव्य है कि दुर्घटना होने पर वाहन मालिक की जानकारी दे। अगर वह स्वंय वाहन का स्वामी हो तो अपनी सम्पूर्ण जानकारी देगा।

धारा 134 के अनुसार वाहन चालक का कर्तत्व हैं कि वह किसी दुर्घटना में व्यक्ति को अगर कोई क्षति होती है तब वह वाहन छोड़कर नहीं भागेगा व्यक्ति को चिकित्सा सहायता दिलवाएगा एवं उसका पूरा सहयोग करेगा अगर कोई मोटर वाहन चालक या स्वयं चालक स्वामी होते हुए उपर्युक्त

लेखक एडवोकेट बी. आर. अहिरवार (विधिक सलाहकार नर्मदापुरम) 9827737665

अधिनियम की धारा 132 (1) की उपधारा (क), धारा 133 एवं धारा 134 का उल्लंघन जानबूझकर कर करता है तब जानिए क्या है दण्ड का प्रावधान।

मोटर यान अधिनियम, 1988 की धारा 187 की परिभाषा:

अगर कोई वाहन चालक या वाहन स्वामी उपर्युक्त धारा 132(1) की उपधारा (क) या धारा 133 या धारा 134 के अंतर्गत बनाए गए किसी भी नियमो का उल्लंघन करता है तब उसे प्रथम बार दोषसिद्ध होने पर छः माह की कारावास या पांच हजार रुपए जुर्माना या दोनों से दण्डित किया जा सकता है। अगर यही अपराध वह दुवारा करता है तब एक वर्ष की कारावास या दस हजार रुपये जुर्माना या दोनो से दण्डित किया जा सकता है।

नोटः वाहन चलाते समय पशु को सामान्य क्षति पहुचाना भी हैं एवं व्यक्ति की संपत्ति का अर्थ है किसी भी प्रकार की संपत्ति की नुकसानी करना जैसे छोटे वाहन को क्षतिग्रस्त करना, रास्ते में बनी किसी भी प्रकार की झोपड़ी या दुकान को क्षतिग्रस्त करना आदि।

कलियासोत एवं भदभदा डेम क्षेत्र में दिखा दुर्लभ पक्षी जैव विविधता संरक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

भोपाल के प्राकृतिक जलाशयों एवं आर्द्रभूमियों में जैव विविधता संरक्षण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की गई है। दुर्लभ लुप्तप्राय पक्षी भारतीय स्किमर का विगत कुछ महीनों से भोपाल के कलियासोत एवं भदभदा क्षेत्र में नियमित रूप से देखा जाना अत्यंत उत्साहवर्धक संकेत है। इससे पूर्व भोपाल क्षेत्र में इस पक्षी की उपस्थिति दर्ज नहीं की गई थी। स्किमर एक संवेदनशील जलीय पक्षी है, जो स्वच्छ जल, शांत वातावरण एवं उपयुक्त तटीय आवास वाले क्षेत्रों में ही निवास करता है। इसका भोपाल में दिखाई देना इस बात का प्रमाण है कि कलियासोत एवं भदभदा क्षेत्र में पक्षियों के लिए अनुकूल आवास विकसित हुआ है। यह उपलब्धि वन विभाग, मध्यप्रदेश द्वारा किए गए सतत संरक्षण के प्रयास एवं जलाशयों के संरक्षण, हरित क्षेत्र संवर्धन तथा स्थानीय नागरिकों एवं प्रकृति प्रेमियों के सहयोग का सकारात्मक परिणाम है। भोपाल वासियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण के प्रति दिखाई गई जागरूकता एवं सहभागिता भी इस सफलता में महत्वपूर्ण रही है। वन विभाग द्वारा भविष्य में भी आर्द्रभूमियों के संरक्षण, पक्षी आवासों की सुरक्षा तथा जैव विविधता संवर्धन के लिये निरंतर प्रयास किए जाते रहेंगे, जिससे भोपाल %प्रकृति एवं पक्षी मित्र शहर के रूप में अपनी पहचान और मजबूत कर सके।

टेक्सटाइल सेक्टर में बड़ा लक्ष्य,उद्योग, कौशल और ग्लोबल बाजार में पारंपरिक वस्त्रों को बढ़ावा

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश ने टेक्सटाइल सेक्टर में वर्ष 2030 तक 5 अरब अमेरिकी डॉलर के निर्यात का लक्ष्य निर्धारित करते हुए इसके लिए एक स्पष्ट और समग्र कार्ययोजना तैयार की है। इसी उद्देश्य से राज्य निर्यात कार्य योजना के अंतर्गत वस्त्र, हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्र पर राज्य स्तरीय हितधारक परामर्श बैठक एमपीआईडीसी, भोपाल में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रमुख सचिव, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन राघवेन्द्र कुमार सिंह ने की। बैठक में उद्योग जगत के प्रतिनिधि निर्यात संवर्धन परिषदों, वित्तीय संस्थानों, एमएसएमई इकाइयों और पारंपरिक वस्त्र समूहों के प्रतिनिधियों ने राज्य की निर्यात क्षमता को सशक्त बनाने के लिए सुझाव दिए। इसका उद्देश्य वर्ष 2030 तक भारत के 100 अरब डॉलर टेक्सटाइल निर्यात लक्ष्य में मध्यप्रदेश की प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिये रणनीति बनाना था।राज्य में टेक्सटाइल निर्यात को बढ़ावा देने के लिए 11 जिलों को चिन्हित किया गया है। इनमें सीहोर, रायसेन, धार, इंदौर, खरगोन, उज्जैन और भोपाल को चैंपियन जिले तथा जबलपुर, ग्वालियर, छिंदवाड़ा और बुरहानपुर को आकांक्षी जिले के रूप में विकसित किया जा रहा है। इन जिलों में उत्पादन, प्रोसेसिंग और निर्यात गतिविधियों को एकीकृत रूप से विकसित करने की रणनीति बनाई गई। धार के पीएम मित्र पार्क के माध्यम से टेक्सटाइल सेक्टर को नई गति मिल रही है। यहां 38 कंपनियों द्वारा 21,500 करोड़ रूपए के निवेश की प्रतिबद्धता सामने आई है, जिससे लगभग 55 हजार रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है। यह विकास राज्य को टेक्सटाइल मैन्युफैक्चरिंग और निर्यात के मजबूत केंद्र के रूप में स्थापित कर रहा है। बैठक में यह तय किया गया कि राज्य में एक लाख से अधिक युवाओं को टेक्सटाइल सेक्टर के अनुरूप प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके लिए समर्थ 2.0, निफ्ट भोपाल के विस्तार और चैंपियन जिलों में नए प्रशिक्षण संस्थानों का उपयोग किया जाएगा। राज्य से एक हजार नए निर्यातकों को तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। जिला स्तरीय निर्यात समितियों, एक्ज़िम बैंक, ईसीजीसी और अन्य संस्थाओं के सहयोग से छोटे और मध्यम उद्यमों को वैश्विक बाजार से जोड़ा जाएगा।निर्यात को आसान और प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए लॉजिस्टिक्स पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पीथमपुर में नया इनलैंड कंटेनर डिपो विकसित किया जा रहा है और मण्डीदीप में मौजूदा सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। इसके साथ ही पीएम मित्र पार्क से इंदौर तक कनेक्टिविटी को बेहतर किया जा रहा है। राज्य में कॉमन फैसिलिटी सेंटर स्थापित किए जाएंगे, जहां परीक्षण, डिजाइन और मूल्य संवर्धन जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे एमएसएमई इकाइयों को गुणवत्ता सुधार में सहायता मिलेगी।वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए टेक्सटाइल इकाइयों में ऑटोमेशन, रोबोटिक्स और डिजिटल गुणवत्ता प्रणालियों को बढ़ावा दिया जाएगा। डिज़ाइन क्षमता को सुदृढ़ करने के लिए निफ्ट भोपाल में तकनीकी वस्त्र, टिकाऊ फैशन और ब्रांडिंग आधारित नए पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे, जिससे उत्पादों का मूल्य संवर्धन हो सके। राज्य ने अमेरिका, यूरोप, यूनाइटेड किंगडम, यूएई और जापान जैसे प्रमुख बाजारों को ध्यान में रखते हुए निर्यात रणनीति तैयार की है। यूके, यूएई, ईएफटीए और ऑस्ट्रेलिया के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौतों का लाभ उठाने के लिए जिला स्तर पर उत्पाद मैपिंग और उद्योग समन्वय किया जाएगा।÷टेक्सटाइल्स ऑफ एमपी÷ अभियान में चंदेरी, माहेश्वरी, बाग प्रिंट और बाटिक प्रिंट जैसे पारंपरिक उत्पादों की अंतर्राष्ट्रीय ब्रांडिंग की जाएगी। इससे कारीगरों को नए बाजार मिलेंगे और उनकी आय में वृद्धि होगी। बैठक में प्रमुख टेक्सटाइल कंपनियों, निर्यात परिषदों और उद्योग संगठनों ने सक्रिय भागीदारी करते हुए व्यावहारिक सुझाव दिए। इससे राज्य में उद्योग और सरकार के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो रहा है, जो निर्यात वृद्धि के लिए आवश्यक है। प्राप्त सुझावों को राज्य निर्यात कार्य योजना में शामिल करते हुए इसे निर्धारित समय सीमा में केंद्र सरकार को प्रस्तुत किया जाएगा। इसके बाद राष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश की रणनीति को आगे बढ़ाते हुए टेक्सटाइल सेक्टर में राज्य को अग्रणी बनाने की दिशा में कार्य किया जाएगा।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी पोंड़ीकलॉ की विकास गाथा 2 फीट गहरी न्यू में बना पुल 100 मीटर पर तीन पुल

कैलाश कुमार अहिरवार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

जयसिंहनगर (शहडोल)। - ग्राम पंचायत पोंड़ीकलॉ में विकास कार्यो के नाम पर सरकारी राशि के बंदरबांट का एक बड़ा मामला सामने आया है। यहाँ पोंड़ीकलॉ से ददराटोला पहुंच मार्ग पर बनाई गई 100 मी अंतर्गत तीन पुल भ्रष्टाचार की जीती-जागती मिसाल बन गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि रोजगार सहायक और निरीक्षण अधिकारी की मिलीभगत से नियम-कायदों को ताक पर रखकर घटिया निर्माण कराया गया है।

तकनीकी मापदंडों की धज्जियां उड़ाई

ग्रामीणों ने लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि लगभग 100 मीटर के निर्माण के अंतराल पर तीन पुल में भारी अनियमितता बरती गई है। कागजोंमोटा पुल के नीम की गहराई डेढ़ मीटर दर्शायी गई है, जबकि मौके पर इसकी वास्तविक 2 फीट गहराई ही पाई गई है। घटिया पत्थर बन चुका सीमेंट एक्सपायरी वाला लगाया गया और 8 एमएम की सरिया का 200 एम एम के डिस्टेंस पर लगाया गया इस प्रकार से घटिया सामग्री के उपयोग के कारण पुल अभी से जगह-जगह से खराब होने लगी है।

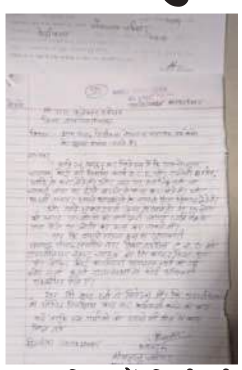

मजदूरों का हक मार मशीनों से कराया काम

पंचायत राज व्यवस्था में मजदूरों को रोजगार देने के प्रावधानों का यहाँ खुला उल्लंघन हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि काम में स्थानीय मजदूरों के बजाय जेसीबी और कंक्रीट मिक्सर मशीनों का उपयोग कर अर्धरात्रि में निर्माण कार्य किया गया। नियमानुसार मौके पर कार्य की जानकारी देने वाला डिस्प्ले बोर्ड लगाया जाना अनिवार्य है, लेकिन भ्रष्टाचार को छिपाने के उद्देश्य से यहाँ कोई बोर्ड नहीं लगाया गया।

पंचों के फर्जी हस्ताक्षर और डराने-धमकाने का आरोप

हैरानी की बात यह है कि पंचायत के पंचों को भी अंधेरे में रखा गया है। पंचों ने आरोप लगाया कि उन्हें किसी भी निर्माण कार्य या उसकी लागत की जानकारी नहीं दी जाती। प्रस्तावों में बिना जानकारी के हस्ताक्षर करवा लिए जाते हैं। जब कोई पंच इस भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाता है, तो उसे डरा-धमकाकर चुप करा दिया जाता है।

कलेक्टर से जांच की मांग

ग्रामीणों ने इस मामले में जिला कलेक्टर और उच्च अधिकारियों को लिखित शिकायत पत्र सौंपकर निष्पक्ष जांच की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि मामले की बारीकी से जांच की जाए, तो लाखों रुपये का गबन उजागर हो सकता है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस गंभीर भ्रष्टाचार पर क्या कार्रवाई करता है या फिर दोषियों को संरक्षण मिलता रहेगा।

बिजुरी पुलिस द्वारा नशीले इंजेक्शन केविरुद्ध कार्यवाही 100 नग इंजेक्शन किए जप्त

कैलाश कुमार अहिरवार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

अनूपपुर - पुलिस अधीक्षक महोदय अनूपपुर मोती उर्र रहमान के द्वारा अधिक से अधिक मादक पदार्थो के विरुद्ध कडी कार्यवाही करने हेतु आदेशित किया गया है जिसके अनुपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनूपपुर जगन्नाथ मरकाम एवं एस.डी.ओ.पी. कोतमा आरती शाक्य के मार्गदर्शन में बिजुरी पुलिस द्वारा दिनांक 04/05/2026 को नशीले इंजेक्शन बेचने वाली महिला के विरुद्ध कार्यवाही की गई । घटना विवरणः- दिनांक 04/05/2026 को विश्वसनीय मुखबिर की सूचना प्राप्त हुई कि भालुगुडार में एक महिला अपने घर के नशीले इंजेक्शन बिक्री करने हेतु भारी मात्रा में छिपा कर रखी हुई है मुखबिर के बताए अनुसार बताए स्थान वार्ड क्र. 07 भालुगुडार बिजुरी में पुष्पा उर्फ रानी सिंह उइके के घर पहूंचकर दबिश दी गई तलाशी के दौरान पुष्पा उर्फ रानी सिंह उइके पिता स्व. रामजवित सिंह उइके उम्र 32 वर्ष निवासी वार्ड क्र. 07 भालुगुडार बिजुरी के घर से नशीले इंजेक्शन Pheniramine maleate Injection I.P के 50 नग 10 द्रव्य के एवं Buprenorphine Injection I.P के 50 नग 2 द्रव्य के मिले दबिश में मिले इंजेक्शन के संबंध में वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए कहा गया जो आरोपी ने कोई वैध दस्तावेज होना नही बताई । मादक पदार्थ प्रतिबंधित होने के बावूजूद बैचने के उद्देश्य से रखे मिलने से आरोपिया का कृत्य एनडीपीएस एक्ट और ड्रग कंट्रोल एक्ट का उल्लंघन पाया गया जो संज्ञेय अपराध है अतः पुष्पा उर्फ रानी सिंह उइके के कब्जे की अवैध औषधि Pheniramine maleate Injection I.P एवं Buprenorphine Injection I.P इंजेक्शन को जप्त किया गया । आरोपियान पुष्पा उर्फ रानी सिंह उइके निवासी वार्ड क्र. 07 भालुगुडार बिजुरी गिरिफ़्तार कर माननीय न्यायालय प्रस्तुत किया गया है घटना विवरण पर धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट एवं 5/13 औषधि निवारण अधिनियम 1949 का कायम कर अनुसंधान में लिया गया आरोपी ने अवैध मादक पदार्थ कहाँ से प्राप्त किया इस तथ्य पर विवेचना की जा रही है । जप्त सुदा मालः- Pheniramine maleate Injection I.P 10 ML के 50 नग एवं Buprenorphine Injection I.P wML के 50 नग कुल 100 नग इंजेक्शन कुल कीमती 20000 रुपये ।

उक्त कार्यवाही में निरी विकास सिंह, सउनि प्रभाकर पटेल ,आर. लक्ष्मण डांगी, आर. मनोज उपाध्याय, आर. रवि सिंह ,म.आर. 305 संगम तोमर, 317 संगम तोमर की उल्लेखनीय भूमिका रही है ।

संवाद से संपूर्ण समाधान शिविर में उमड़ा जनसैलाब, स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल की मौजूदगी में हुआ समस्याओं का त्वरित समाधान

सरकार अब दफ्तरों तक सीमित नहीं, गांव-गांव पहुंचकर कर रही समस्याओं का समाधान - श्याम बिहारी जायसवाल

कैलाश कुमार अहिरवार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

एमसीबी - छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी पहल ÷सुशासन तिहार 2026÷ के अंतर्गत विकासखंड खड़गवां के ग्राम मझौली में ÷गांव-गांव, द्वार-द्वार सुशासन तिहार जनसमस्या निवारण शिविर - संवाद से संपूर्ण समाधान÷ का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। ग्राम पंचायत अखराडांड, बरमपुर, मझौली, भूकभूकी, दुबछोला, ठग्गांव, दुग्गी, सिंघत, खड़गवां और पोडीडीह सहित कुल 10 ग्राम पंचायतों को शामिल करते हुए आयोजित इस विशाल शिविर ने प्रशासन और आमजन के बीच संवाद, विश्वास और त्वरित समाधान की नई मिसाल पेश की। बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों को मौके पर ही राहत और समस्याओं का समाधान मिलने से शिविर जनविश्वास का केंद्र बन गया। कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र के समक्ष स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, जिला पंचायत सदस्य प्रिया मसराम, जनपद सदस्य श्यामबाई मरकाम, उपाध्यक्ष बीरेन्द्र सिंह करियाम, जनपद सदस्य इंद्रावती सिंह, धर्मपाल सिंह, सोनमती उर्रे सहित समस्त सरपंचों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। शुभारंभ के साथ ही पूरे शिविर परिसर में उत्साह और जनभागीदारी का माहौल देखने को मिला। दूर-दराज के ग्रामीण सुबह से ही अपनी समस्याएं और आवेदन लेकर शिविर स्थल पहुंचने लगे थे। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 01 मई से 10 जून 2026 तक पूरे प्रदेश में संचालित इस विशेष अभियान का उद्देश्य आमजन की शिकायतों का त्वरित निराकरण करना तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना है। ग्राम मझौली में आयोजित यह शिविर ÷समाधान आपके द्वार÷ की अवधारणा को साकार करता नजर आया, जहां लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़े।

शिविर में एसडीएम विज्येन्द्र सारथी, जनपद सीईओ हेमन्त बंजारे, तहसीलदार सिद्धि गबेल, सीपीएस दीपिका मिंज, सीएचएमओ अविनाश खरे सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। अधिकारियों की सक्रिय मौजूदगी ने यह संदेश दिया कि शासन आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है।

शिविर स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा आकर्षक एवं सुव्यवस्थित स्टॉल लगाए गए थे, जहां ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया गया। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, बिहान योजना, मनरेगा श्रमिक कार्ड, ग्रामीण यांत्रिकी विभाग, समाज कल्याण विभाग, आधार सेवा केन्द्र, छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, एग्रीकल्चर, आधार केवाईसी, कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, खनिज विभाग, वन विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, खाद्य विभाग, पुलिस विभाग, आबकारी विभाग, बिजली विभाग, लोक निर्माण विभाग, क्रेडा विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, पीएमजीएसवाई, जल संसाधन विभाग, मत्स्य विभाग, आदिवासी विकास विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, पशु चिकित्सा विभाग, आयुष विभाग, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, नेत्र विभाग, आयुष्मान कार्ड तथा राजस्व विभाग के स्टॉलों का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान जनप्रतिनिधियों द्वारा गर्भवती महिलाओं बबीता, कदम कुंवर, रजंती, रोशनी, पप्पी, ममता, मानसी, सविता और उर्मिला की गोद भराई की रस्म भी संपन्न कराई गई, जिससे कार्यक्रम में सामाजिक सरोकार और संवेदनशीलता का विशेष वातावरण देखने को मिला। जनसमस्या निवारण शिविर में कुल 392 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल द्वारा छह हितग्राहियों को राशन कार्ड, आठ हितग्राहियों को वन अधिकार पट्टा, पांच हितग्राहियों को जाति प्रमाण पत्र, अठारह हितग्राहियों को किसान किताब, पांच हितग्राहियों को आवास

चाबी, पांच हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड तथा सात लोगों को नवीन जॉब कार्ड वितरित किए गए। इसके साथ ही दो क्षय रोगियों को फूड बास्केट भी प्रदान किया गया। कई मामलों का मौके पर ही निराकरण कर ग्रामीणों को तत्काल राहत दी गई, जबकि शेष आवेदनों को निर्धारित समय-सीमा में निराकरण हेतु संबंधित विभागों को सौंपा गया। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में सुशासन की नई संस्कृति स्थापित हुई है। आज सरकार केवल दफ्तरों तक सीमित नहीं है, बल्कि गांव-गांव पहुंचकर जनता की समस्याओं का समाधान कर रही है। उन्होंने कहा कि ÷सुशासन तिहार 2026÷ जनहित, संवेदनशीलता और जवाबदेही की मिसाल बन चुका है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशा है कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और इसी सोच के साथ प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और जन केंद्रित बनाया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि प्रदेश में गरीब, किसान, मजदूर, महिलाएं, युवा और आदिवासी समाज के उत्थान के लिए लगातार ऐतिहासिक निर्णय लिए जा रहे हैं। सुशासन तिहार के माध्यम से सरकार स्वयं जनता के बीच पहुंच रही है, समस्याएं सुन रही है और मौके पर समाधान सुनिश्चित कर रही है। यही कारण है कि अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोगों को छोटी-छोटी समस्याओं के लिए भटकना नहीं पड़ रहा। स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क, पेयजल, राशन, आवास और सामाजिक सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में राज्य सरकार लगातार प्रभावी कार्य कर रही है। विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का सरल व्यक्तित्व, संवेदनशील कार्यशैली और जनसेवा के प्रति समर्पण ही आज छत्तीसगढ़ को विकास और विश्वास की नई दिशा दे रहा है। उनके नेतृत्व में छत्तीसगढ़ आने वाले समय में सुशासन और विकास का आदर्श राज्य बनकर उभरेगा। अंत में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व विज्येन्द्र सारथी ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर में प्राप्त 392 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए है, उसमें से कई आवेदनों को मौके पर ही त्वरित निराकरण कर हितग्राहियों को राहत प्रदान की गई है, जबकि शेष लंबित आवेदनों को संबंधित विभागों को सौंपते हुए निर्धारित समय-सीमा में प्राथमिकता के साथ समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक आवेदक की समस्या का गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ निराकरण किया जाएगा, ताकि आमजन को समयबद्ध राहत मिल सके। कार्यक्रम में हृदय सिंह, रमेश जायसवाल, अशोक खरे, शंकर प्रताप गुप्ता, रामलाल साहू, हरबंस साहू, सतेन्द्र साहू, मनोज साहू, अंगद, सरपंच सुश्री जया सिंह मरावी, श्रीमती तुला, कुन्ती सिंह, सोनिया सिंह, सुनीता, रामबाई, संत कुमार सिंह, सुखीत लाल अगरिया, हरि सिंह, सचिव श्रीमती सुन्दर लली, उर्मिला, यशोदा, अनुराग दुबे, अशोक पाण्डेय, सीता सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रह!

सागर गैरे आउटलेट पर कीड़े मिलने की शिकायत,खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर उन्हें प्रयोगशाला भेजा गया

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

भोपाल के 7 नंबर बस स्टॉप स्थित %सागर गैरे% आउटलेट के भोजन में कीड़े पाए जाने की गंभीर शिकायत प्राप्त होने पर, कलेक्टर भोपाल प्रियंक मिश्रा एवं अभिहित अधिकारी खाद्य सुरक्षा प्रशासन के निर्देशन में विभाग द्वारा तत्काल प्रभावी कार्रवाई की गई है। टीम द्वारा प्रतिष्ठान का औचक निरीक्षण किया। जहाँ खाद्य पदार्थों के रखरखाव और स्वच्छता व्यवस्था में अनियमितताएं पाई गई। स्वच्छता मानकों का उल्लंघन और खाद्य सुरक्षा नियमों की अनदेखी पाए जाने पर,संस्थान के संचालक को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006, नियम एवं विनियम 2011 की धारा 32 के अंतर्गत वैधानिक नोटिस जारी किया गया है।गुणवत्ता की जाँच हेतु खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर उन्हें तत्काल राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजा गया है। लैब रिपोर्ट के आधार पर आगामी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। धारा 32 के तहत जारी इस नोटिस के माध्यम से संचालक को 14 दिवस की समयावधि के भीतर परिसर की स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा मानकों में सुधार करने के कड़े निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित समय में सुधार न होने की स्थिति में प्रतिष्ठान का लाइसेंस निलंबित,निरस्त करने की चेतावनी भी दी गई है। मुख्यालय खाद्य सुरक्षा अधिकारी, भोपाल ने स्पष्ट किया है कि उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार्य नहीं है। जिले के सभी प्रमुख खाद्य संस्थानों की निरंतर निगरानी की जा रही है और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी।

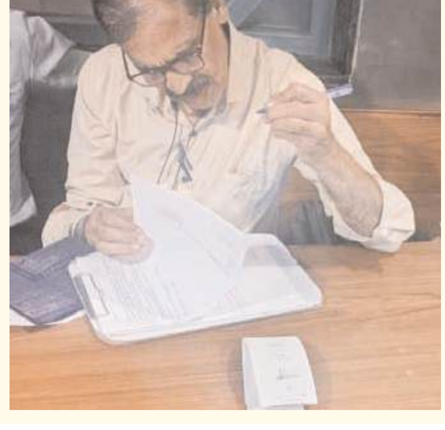

उच्च शिक्षा मंत्री ने विश्वविद्यालयों में भर्ती प्रक्रिया की समीक्षा की शीघ्र भर्ती के लिए विज्ञापन जारी करने के निर्देश

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने बुधवार को मंत्रालय स्थित सभाकक्ष में सार्वजनिक विश्वविद्यालयों के कुलसचिवों के साथ, विश्?वविद्यालयों में रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया की प्रगति सहित विविध विषयों की विस्तृत समीक्षा की।कहा कि सभी विश्वविद्यालय, शासन के नियमों के अनुरूप रोस्टर निर्माण करते हुए भर्ती प्रक्रिया के लिए शीघ्र विज्ञापन जारी करें। विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक, अकादमिक एवं प्रशासनिक सुधार की दृष्टि से, रिक्त पदों की पूर्ति करना हमारी प्राथमिकता है। सभी विश्वविद्यालय शैक्षणिक कैलेंडर का दृढ़ता के साथ शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करें, इसके लिए पिछले सत्र के परीक्षा परिणाम समयपूर्वक घोषित किए जाएं जिससे अगले सत्र में नियत समय पर प्रवेश, परीक्षा एवं परिणाम सुनिश्चित हो सकें। विद्यार्थियों के समग्र हितों की रक्षा, हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी विश्वविद्यालयों को निर्देशित किया है कि सभी विश्वविद्यालय अपने छात्रावासों को विद्यार्थियों की आवश्यकता अनुरूप बेहतर बनाएं और छात्रों को सुलभ रूप से गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध हो। विश्वविद्यालयों के छात्रावासों के निरीक्षण के लिए एक कमेटी गठित करने के निर्देश दिए, यह कमेटी छात्रावासों में विद्यार्थियों को दी जा रही सुविधाओं की गुणवत्ता का निरीक्षण करेगी। विश्वविद्यालयों द्वारा डिजिटल मूल्यांकन को लेकर हो रहे क्रियान्वयन की गति को बढ़ाने पर बल देते हुए कहा कि परीक्षा की विश्वसनीयता को प्रभावी रूप से बनाए रखना हमारा ध्येय है और पारदर्शितापूर्ण परीक्षा पद्धति के लिए डिजिटल मूल्यांकन की महती आवश्यकता है। सभी विश्वविद्यालय डिजिटल मूल्यांकन की पद्धति को लागू करने के लिए प्रयास करें। विश्वविद्यालय अपने शैक्षणिक अमले के कार्यों के मूल्यांकन के लिए भी आंतरिक पद्धति विकसित करे जिससे शैक्षणिक एवं

अकादमिक गुणवत्ता में उत्तरोत्तर वृद्धि हो सके। विश्वविद्यालयों को अन्य भारतीय भाषाओं को क्रेडिट से जोड़कर पढ़ाने की कार्ययोजना को भी शीघ्र लागू करने के प्रयास करने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल को तमिल, जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर को कन्नड़, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इन्दौर को मराठी एवं तेलगू, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर को तेलगू एवं पंजाबी, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा को सिंधी और गुजराती, विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन को मलयालम,सिंधी और असमिया, महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय छतरपुर को गुजराती, राजा शंकरशाह विश्वविद्यालय छिन्दवाड़ा को तमिल और मराठी, पंडित शंम्भूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय शहडोल को बांग्ला, क्रांतिसूर्य टंट्या भील विश्वविद्यालय खरगोन को गुजराती, महात्मा गाँधी विश्वविद्यालय चित्रकूट को उड़िया और महर्षि पाणिनी विश्वविद्यालय उज्जैन को उड़िया भाषा सिखाने के लिए भाषा का आवंटन किया गया है। ये विश्वविद्यालय, उक्त आवंटित भाषा सिखाने के लिए क्रियान्वयन कर रहे हैं। विश्वविद्यालयों को समर्थ पोर्टल पर क्रियान्वयन के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय, स्वयं पोर्टल के विनियमन को अपनाएं और स्वयं पोर्टल पर हर विद्यार्थी को कम से एक कोर्स में पंजीयन कराएं। बैठक में अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा श्री अनुपम राजन ने सभी विश्वविद्यालयों को सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर अपनी ग्रेडिंग सुधारने के लिए भी निर्देशित किया। श्री राजन ने सभी विश्वविद्यालयों को कर्मचारी कल्याण से जुड़े विविध विषयों को शीघ्र निराकृत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लंबित पेंशन प्रकरण एवं अनुकम्पा नियुक्ति प्रकरणों का शीघ्र निदान करें।

इंजीनियर राहुल अहिरवार के प्रयासों से ग्राम रैदासपुरा का अंधेरा दूरः बिजली विभाग ने तत्काल बदला जला हुआ ट्रांसफार्मर

बिजावरः

ग्राम रैदासपुरा (बसरोई) में अचानक आए आंधी-तूफान की वजह से विद्युत ट्रांसफार्मर खराब होने से उत्पन्न हुआ संकट अब समाप्त हो गया है। इंजीनियर राहुल अहिरवार की सजगता और बिजली विभाग की सक्रियता के चलते गांव में विद्युत आपूर्ति बहाल करने के लिए त्वरित कार्रवाई की गई है।

इंजीनियर राहुल अहिरवार की सक्रियता और विधायक जी का आश्वासन

जैसे ही आंधी-तूफान के कारण ट्रांसफार्मर खराब हुआ, इंजीनियर राहुल अहिरवार ने बिना समय गंवाए ग्रामीणों की समस्या को प्राथमिकता दी। उन्होंने तत्काल माननीय विधायक जी से फोन पर संपर्क कर स्थिति से अवगत कराया। विधायक जी ने राहुल अहिरवार को स्पष्ट आश्वासन दिया कि ÷आज ही गांव में नया ट्रांसफार्मर रख दिया जाएगा।÷ विधायक जी के इस भरोसे के बाद राहुल अहिरवार ने विभाग के साथ समन्वय कर समाधान का मार्ग प्रशस्त किया।

सहायक अभियंता श्री संजय कुमार जैन की त्वरित कार्रवाईइ

इस मामले में विद्युत वितरण केंद्र बिजावर के सहायक अभियंता श्री संजय कुमार जैन जी की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही। इंजीनियर राहुल अहिरवार के आग्रह और विधायक जी के निर्देश पर श्री संजय कुमार जैन जी ने कार्यालय स्तर पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की। उनके कुशल प्रबंधन और निर्देशों के फलस्वरूप विभाग ने बिना किसी देरी के नया ट्रांसफार्मर ग्राम रैदासपुरा हेतु रवाना कर दिया।

बिजली विभाग बिजावर की तत्परता की प्रशंसा

आंधी-तूफान जैसी प्राकृतिक आपदा के तुरंत बाद बिजली विभाग द्वारा दिखाई गई इस मुस्तैदी की क्षेत्र में काफी चर्चा है। श्री संजय कुमार जैन जी और उनकी टीम द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई ने यह साबित कर दिया है कि विभाग जनता की सेवा के लिए सदैव तत्पर है।

? ग्रामवासियों ने व्यक्त किया आभार

ट्रांसफार्मर बदलने की प्रक्रिया तुरंत शुरू होने पर समस्त ग्रामवासियों ने इंजीनियर राहुल अहिरवार के प्रयासों और श्री संजय कुमार जैन जी की कर्तव्यनिष्ठा की प्रशंसा की। साथ ही, ग्रामीणों ने माननीय विधायक जी का भी सहृदय आभार व्यक्त किया जिन्होंने त्वरित समाधान का आश्वासन दिया।

मध्य प्रदेश के 25 जिलों में धूलभरी आंधी और बारिश का यलो अलर्ट, 50Km की रफ्तार से चलेंगी तूफानी हवाएं

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ

एमपी में भीषण गर्मी के बीच मौसम करवट ले रहा है। बीते पांच दिन से आंधी-बारिश का दौर रुक-रुक कर चल रहा है। शुक्रवार को प्रदेश के करीब 25 जिलों में बारिश-आंधी और तेज तूफानी हवाओं का अलर्ट दिया गया है...

मध्य प्रदेश में भीषण गर्मी के बीच मौसम करवट लेने वाला है। मौसम विभाग ने प्रदेश के कई जिलों में बारिश, आंधी और तेज तूफानी हवाओं का अलर्ट जारी किया है। खासतौर पर छिंदवाड़ा और बैतूल समेत दक्षिण-पूर्वी जिलों में 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। वहीं कई जिलों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश के आसार हैं।

मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को प्रदेश के ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, सिंगरौली, सीधी, रीवा, मऊगंज, सतना, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी, कटनी, जबलपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, मैहर, पांढुर्णा में बारिश, गरज, चमक के साथ तूफानी हवाएं भी चल सकती हैं। यहां 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवाएं का अलर्ट दिया गया है

कई जिलों में तापमान 40एष्ट से 42.2एष्ट के आसपास बना रह सकता है

इधर प्रदेश के बाकी हिस्सों में मौसम गर्म बने रहने के आसार हैं। बीते 24 घंटों में नरसिंहपुर सबसे गर्म स्थान के रूप में दर्ज किया गया है। यहां दिन का तापमान

42.2°C दर्ज किया गया। वहीं खरगोन 41.2°C, रतलाम 41.0°C, खंडवा 40.1°C, विदिशा 39.4°C दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने अलर्ट के साथ सलाह भी जारी की है

तेज हवाओं से पेड़ और बिजली लाइन प्रभावित हो सकती हैंप्रभावित हो सकती हैं

किसानों को फसल और खुले में रखे अनाज को सुरक्षित रखने की सलाह

लोगों को खराब मौसम के दौरान खुले मैदान और पेड़ों के नीचे खड़े न रहने की चेतावनी

मौसम विभाग का बड़ा अलर्ट

भोपाल मौसम केंद्र के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ और ट्रफ लाइन के असर से मौसम में हलचल बनी हुई है, लेकिन फिलहाल गर्मी से राहत के आसार कम हैं। छिंदवाड़ा और बैतूल जिलों में 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गई है

खरगोन जिले में फिलहाल सबसे ज्यादा तापमान है। पूर्वी MP में रेनफॉल दर्ज हुई है। शुक्रवार को करीब 21 जिलों में बारिश-आंधी की संभावना बन रही है

डॉ. अरुण शर्मा, मौसम विज्ञानी, भोपाल आईएमडी

इन जिलों में सबसे ज्यादा गर्मी

नरसिंहपुर	42.2°C
खरगोन	41.2°C
रतलाम	41.0°C
खंडवा	40.1°C
धार	39.1°C
उज्जैन	39.0°C
भोपाल	38.4°C
इंदौर	38.1°C

लोगों के लिए एडवाइजरी

दोपहर 12 से 4 बजे तक धूप में निकलने से बचें

पर्याप्त पानी पीते रहें

बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें

हल्के और सूती कपड़े पहनें

मुश्किल में न डाल दें ये.... सेहतमंद आदतें

कहीं आप भी... बार-बार बदलते हैं बोतल बंद पानी

स्वस्थ रहने के लिए हम हर उस बात का अनुसरण करने के लिए तैयार रहते हैं, जो सेहतमंद रखने का दावा करती हैं. मगर कुछ अच्छी बातें भी हमारे स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकती हैं..

सेहत को लेकर सचेत रहना अच्छी बात है, लेकिन आपको इस बात के प्रति भी सचेत रहना चाहिए कि अपनी सेहत के लिए आप जिन आदतों को फायदेमंद मानती हैं, वे वाकई में फायदेमंद हैं या नहीं. क्योंकि ऐसा कई बार देखने में आया है कि हम अपने मन में सेहत, खाने-पीने की आदतों, साफ-सफाई को लेकर काफी सतर्कता बरतते हैं, लेकिन इस बात से बेपरवाह रहते हैं कि हमारी ये आदतें सेहत के लिए फायदेमंद न होकर नुकसानदेह साबित हो सकती हैं. हम आपको बता रहे हैं कि वे सेहतमंद आदतें कौन सी हैं, जो आपके लिए घाटे का सौदा साबित हो सकती हैं.

हर बार खाने के बाद ब्रश करना

कई लोगों को लगता है कि हर बार खाना खाने के बाद ब्रश करना आपके दांतों को कीटाणु-मुक्त और दांतों को मोतियों-सा दमकता हुआ बनाये रखने में मददगार होता है. लेकिन हकीकत यह है कि यह आपके दांतों पर से सुरक्षाकारी एनामेल को घिस सकता है और इससे आपको दांतों में सेंसिटिविटी की समस्या पैदा हो सकती है. इसलिए अपनी मां की हर दिन दो बार ब्रश करने की सलाह को याद कीजिए. आपके लिए वही फायदेमंद है. खाना खाने के बाद हर बार ब्रश करने की बजाय अच्छी तरह से कुल्ला करना आपके लिए ज्यादा उपयोगी है.

ठीक नहीं हैंड सैनिटाइजर का बार-बार इस्तेमाल

क्या आप बाहर निकलने के बाद कुछ भी छूने, किसी चीज को पकड़ने के बाद बार-बार अपने हाथों में सैनिटाइजर मलती हैं? तो आप सतर्क हो जाइए. यह आदत आपको नुकसान पहुंचा सकती है. यह सही है कि हैंड सैनिटाइजर हाथों को साफ करने का सुविधाजनक तरीका है, लेकिन इस बात का ख्याल रखना भी जरूरी है कि इसका समझदारी से उपयोग किया जाये. अमेरिका में किये गये एक शोध के मुताबिक ज्यादातर सैनिटाइजर में ट्राइक्लोसान नामक एक केमिकल होता है, जिसे हाथ की त्वचा तुरंत सोख लेती है. अगर यह रक्त संचार में शामिल हो जाये, तो यह मांसपेशी को-ऑर्डिनेशन के लिए जरूरी सेल-कम्युनिकेशन को बाधित करता है. इसका लंबे समय तक ज्यादा इस्तेमाल त्वचा को

सूखा बनाने, बांझपन और हृदय के रोग को न्योता दे सकता है. इसलिए अगर आपको हाथ धोने की जरूरत महसूस हो रही है, तो इंतजार कीजिए और मौका मिलते ही साबुन और पानी से ही अपने हाथों को धोइए.

क्या आप अपने कॉस्मेटिक्स को बार-बार बदलती हैं?

अगर आप विज्ञापनों के प्रभाव में अपने कॉस्मेटिक्स को बार-बार बदलती हैं, तो इस आदत को बदल दीजिए. त्वचा विशेषज्ञों का कहना है कि इनसानी त्वचा का पीएच स्तर 5.5 होता है. अलग-अलग कंपनियों के कॉस्मेटिक्स के पीएच मान अलग-अलग होते हैं. जिन लोगों की त्वचा संवेदनशील होती है, उनके लिए अलग-अलग पीएच मानकों के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल नकुसानदेह साबित हो सकता है. इससे आपकी त्वचा लाल पड़ सकती है. इसमें जलन या चकत्ते आने की शिकायत आ सकती है. इसलिए सिर्फ भरोसेमंद ब्रांड्स के कॉस्मेटिक्स का इस्तेमाल करें और इस्तेमाल से पहले सबके पीएच मानकों को जरूर पढ़ लें.

बोतल बंद पानी बदलना

कई लोगों को लगता है कि बोतलबंद पानी आपको रोगों से दूर रखने में मददगार होता है. लेकिन ध्यान रखिए. बोतलबंद पानी प्रोसेस्ड पानी होता है, जिसमें खनिज तत्व मौजूद नहीं रहते हैं. लंबे समय तक इसका इस्तेमाल करने से आपके शरीर में मैग्नीशियम, कैल्शियम, पोटैशियम, सिलिका, सल्फेट जैसे खनिजों की कमी हो सकती है. यह आपके लिए नुकसानदायक है, क्योंकि ये खनिज आपके शरीर में कई काम करते हैं. ये तत्व आपको ऊर्जा मुहैया कराने के साथ-साथ कोशिका और मांसपेशियों की मरम्मत भी करते हैं.

फ्लिप फ्लॉप और पांव

क्या आपको लगता है कि हील वाली चप्पल आपके पांवों को नुकसान पहुंचाती हैं, इसलिए आपको चपटे सोल वाली चप्पल का इस्तेमाल करना चाहिए? लेकिन यह ख्याल आपके लिए वास्तव में नुकसानदायक साबित हो सकता है. क्योंकि आर्क नहीं होने के कारण फ्लिप फ्लॉप (चपटे सोल वाली चप्पल) आपके पांवों को कोई सपोर्ट नहीं दे पातीं. चलते वक्त चपटे स्लिपर को कंट्रोल करने के लिए अंगूठों को लगातार चप्पल पर ग्रिप बनाना पड़ता है, ताकि वह पांव से फिसल न जाये. इससे पांवों का नैचुरल लिफ्ट ऑफ और पांव रखना गड़बड़ा जाता है. इससे पांवों के तलवे में दिक्कत आ सकती है. अगर आपको अपने पांवों का ख्याल है, तो कोशिश रहे कि आप फ्लिप फ्लॉप कम ही पहनें.

एक्शन के साथ तापसी की वापसी

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेत्री तापसी पन्नू अपनी बहुप्रतीक्षित एक्शन फिल्म गांधारी के साथ दर्शकों को एक बार फिर रोमांचित करने के लिए तैयार हैं। बेबी और नाम शबाना में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद, तापसी लंबे समय बाद हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस में वापसी कर रही हैं, जिनमें असली मेहनत और बिना किसी शॉर्टकट के काम किया गया है। तापसी ने अपनी आगामी फिल्म गांधारी के बारे में बात करते हुए कहा, यह एक ऐसा जॉनर है, जिसके बारे में लोग मुझसे लगातार पूछते रहते हैं आप एक्शन कब करेंगी? उन्हें बेबी और नाम शबाना का एक्शन याद है।

उन्होंने बताया कि उनकी फिल्मों में आमतौर पर बड़े बजट नहीं होते, इसलिए उन्हें खुद मेहनत करके एक्शन करना पड़ता है, बजाय वीएफएक्स या फेस रिप्लेसमेंट जैसी तकनीकों के। तापसी ने आगे कहा कि यह हवाई एक्शन नहीं होगा; उन्हें सब कुछ खुद करना पड़ा है, इसलिए यह शारीरिक रूप से बहुत थकाने वाला था। उन्होंने जानबूझकर कुछ सालों तक एक्शन से दूरी बनाई थी क्योंकि इसे करना शारीरिक रूप से बेहद थकाने वाला होता है। तापसी ने विश्वास दिलाया कि गांधारी में दर्शक उन्हें दमदार एक्शन करते हुए देखेंगे, जो इस साल कुछ महीनों में रिलीज होगी।

दिशा पटानी का हॉट और बोल्ड लुक

मुंबई (एजेन्सी)। बॉलीवुड की ग्लैमर क्वीन और अपनी फिटनेस के लिए मशहूर अभिनेत्री दिशा पटानी एक बार फिर सोशल मीडिया पर तहलका मचा रही हैं। हाल ही में दिशा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर ऑल ब्लैक लुक में कुछ ऐसी तस्वीरें साझा कीं, जिन्होंने इंटरनेट का पारा बढ़ा दिया है। उनका यह हॉट और बोल्ड अवतार न केवल उनके प्रशंसकों को दीवाना बना रहा है, बल्कि फिल्म इंडस्ट्री के बड़े-बड़े सेलेब्स भी अपनी प्रतिक्रिया देने से खुद को रोक नहीं पा रहे हैं। दिशा पटानी हमेशा से ही अपने बोल्ड फैशन सेंस और रिस्क लेने वाले आउटफिट्स के लिए जानी जाती हैं। वायरल हुई इन तस्वीरों में उन्होंने एक टू-पीस ब्लैक ड्रेस पहनी है, जो उनके टोंड फिगर को बखूबी फ्लॉन्ट कर रही है। दिशा के इस स्टाइलिश अवतार ने सोशल मीडिया पर तूफान ला दिया है। तस्वीरें पोस्ट होते ही कमेंट सेक्शन में फायर और हार्ट इमोजी की बाढ़ आ गई। दिशा की खास दोस्त मौनी रॉय ने उन्हें स्टनर बताया, वहीं अन्य सोशल मीडिया यूजर्स उनकी तुलना हॉलीवुड दीवाओं से कर रहे हैं। फैंस उनकी शानदार फिटनेस और एब्स को देखकर उनकी कड़ी मेहनत की भी सराहना कर रहे हैं। दिशा पटानी का यह ब्लैक ब्यूटी अवतार एक बार फिर साबित करता है कि वे स्टाइल और फिटनेस का बेजोड़ संगम हैं।

शानदार लाइफस्टाइल के लिए चर्चा में रहते हैं सनी देओल

मुंबई (एजेन्सी)। बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल अपनी दमदार फिल्मों के साथ-साथ शानदार लाइफस्टाइल के लिए चर्चा में रहते हैं। हाल ही में खबर आई है कि सनी फिल्म रामायण में हनुमान के किरदार में नजर आने वाले हैं, जिससे उनके फैंस में काफी उत्साह है। वहीं, निजी जीवन में वह बेहद आलीशान और राजशाही जीवन जीते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सनी देओल मुंबई, मनाली और लोनावला में करीब 150 करोड़ रुपये की संपत्ति के मालिक हैं। मुंबई के जुहू इलाके में उनका आलीशान बंगला सनी विला काफी चर्चा में है। यह 5 मंजिला भवन न सिर्फ रहने के लिए, बल्कि उनके पोस्ट-प्रोडक्शन स्टूडियो के रूप में भी इस्तेमाल होता है।

बंगले में जिम, स्विमिंग पूल, निजी थिएटर, लाइब्रेरी और ओपन गार्डन जैसी कई लग्जरी सुविधाएं मौजूद हैं। यह बंगला 50-60 करोड़ रुपये के करीब मूल्य का बताया जाता है। इसके अलावा, मुंबई के पॉश इलाके मालाबार हिल्स में भी सनी देओल की बड़ी प्रॉपर्टी है। इस घर में पूल, जिम और थिएटर जैसी सुविधाएं हैं और यहां 40-50 लोगों के लिए आयोजन भी किया जा सकता है। यह बंगला किसी 5 स्टार होटल से कम नहीं माना जाता।

शहर की भागदौड़ से दूर सनी देओल का मनाली में भी खूबसूरत फार्महाउस है। यह उनका वेकेशन होम है, जहां वह अक्सर परिवार के साथ समय बिताते हैं। इस फार्महाउस की कीमत 2 से 8 करोड़ रुपये है। इसके अलावा पुणे के करीब लोनावला में भी उनका बड़ा फार्महाउस है, जो करीब 100 एकड़ में फैला हुआ है। सनी देओल की प्रॉपर्टी केवल भारत तक सीमित नहीं है। उनके पास यूके में भी एक शानदार बंगला है, जिसे फिल्मों की शूटिंग के लिए इस्तेमाल किया जाता है। देओल परिवार बॉलीवुड के सबसे अमीर परिवारों में से एक है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सनी देओल की कुल नेटवर्थ करीब 220 करोड़ रुपये है, जो फिल्मों, प्रोडक्शन और अन्य आय स्रोतों से आती है। इसके अलावा, उनके पास कई महंगी गाड़ियां भी हैं, जिसमें ऑडी ए8 एल, लैंड रोवर रेंज रोवर, पोर्शे काइएन, मर्सिडीज-बेंज शामिल हैं। सनी देओल की यह शानदार संपत्ति और आलीशान जीवनशैली उनकी ग्लोबल लाइफस्टाइल और फिल्मों से कमाई का प्रतिबिंब है, जो उन्हें बॉलीवुड के सबसे समृद्ध और प्रभावशाली सितारों में शामिल करती है।

'धड़क' के बाद डिप्रेशन में चली गई थीं जाह्नवी कपूर

मुंबई (एजेन्सी)। फिल्म धड़क की रिलीज से ठीक पहले बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर की मां श्रीदेवी का निधन हो गया था, जिसने उन्हें अंदर तक तोड़ दिया। इस गहरे सदमे और फिल्म के बाद मिली आलोचनाओं ने उन्हें डिप्रेशन की ओर धकेल दिया था। हाल ही में एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान जाह्नवी ने अपने दिल की बात खुलकर रखी। उन्होंने बताया कि साल 2018 में ईशान खट्टर के साथ बॉलीवुड में डेब्यू करना उनके लिए भावनात्मक रूप से बेहद भारी था। एक तरफ मां को खोने का दुख था, तो दूसरी ओर बाहर से मिल रही नकारात्मक प्रतिक्रियाएं, जिसने उन्हें मानसिक रूप से कमजोर कर दिया। जाह्नवी ने कहा कि भले ही आज लोग 'धड़क' को सफल फिल्म मानते हैं, लेकिन उनके लिए उस दौर की यादें काफी कड़वी हैं।

उन्होंने स्वीकार किया कि फिल्म के बाद वह डिप्रेशन में चली गई थीं और उन्हें लगने लगा था कि लोग उनसे नफरत करते हैं। उनके मन में यह डर बैठ गया था कि उनका करियर शुरू होने से पहले ही खत्म हो जाएगा। एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि उन्हें हमेशा अपनी मां से हौसला और सराहना मिलती थी। मां के जाने के बाद उन्होंने वही उम्मीद दर्शकों से लगा ली, जो पूरी नहीं हो सकी। उन्होंने कहा कि वह चाहती थीं कि लोग उन्हें तुरंत स्वीकार कर लें, लेकिन ऐसा संभव नहीं था। उनका ध्यान सिर्फ नकारात्मक बातों पर केंद्रित हो गया था, जिसके कारण वह फिल्म की सफलता को भी महसूस नहीं कर पाईं। जाह्नवी ने आगे कहा कि उस समय 'धड़क' बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित हुई थी, लेकिन उन्हें इसका अहसास तक नहीं हुआ। उन्हें लगातार यही लगता रहा कि वह एक खराब कलाकार हैं और लोग उन्हें पसंद नहीं करते। यही नकारात्मक सोच धीरे-धीरे उनकी हकीकत बन गई थी। गौरतलब है कि शशांक खेतान के निर्देशन में बनी 'धड़क' मराठी फिल्म सैराट की आधिकारिक रीमेक थी, जिसने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया था।

टच बडी में नया पहलू एक्सप्लोर करने का मौका मिला : जोनिता

मुंबई (एजेन्सी)। डकैत अ लव स्टोरी के गाने के बारे में प्लेबैक सिंगर जोनिता गांधी ने खुलकर बात की है। पवन सिंह के साथ गाए गए नए गाने 'टच बडी' को लेकर जोनिता का मानना है कि इस गाने के जरिए कलाकार के तौर पर एक नए पहलू को एक्सप्लोर करने का मौका मिला। उन्होंने बताया कि यह गाना उनके लिए एक नया और रोमांचक अनुभव था, जिसने उन्हें खास तौर पर आकर्षित किया।

जोनिता गांधी इस समय अपनी कलात्मक यात्रा के एक नए दौर में हैं। वे अब सिर्फ आवाज देने तक सीमित नहीं रहना चाहतीं, बल्कि स्क्रीन पर भी पूरी तरह छा जाना चाहती हैं। 'टच बडी' में उन्होंने न सिर्फ गाया है, बल्कि पूरे आत्मविश्वास के साथ डांस परफॉर्मेंस भी किया है। जोनिता ने कहा, 'यह मेरे लिए बिल्कुल नया अनुभव था। मुझे डांस करना बहुत पसंद है, इसलिए इस गाने की ओर मैं खिंची चली गई। मैंने इसे एक किरदार निभाने के रूप में अपनाया। यह मेरी अपनी असलियत का विस्तार नहीं था, बल्कि एक कलाकार के रूप में मुझे एक नया पहलू एक्सप्लोर करने का मौका मिला।' उन्होंने आगे कहा, 'एक कलाकार के तौर पर मैं खुद के और भी कई पहलुओं को एक्सप्लोर कर रही हूं। अभी और भी बहुत कुछ आने वाला है। मैंने तो अभी बस शुरुआत की है। अपना प्यार और साथ बनाए रखिएगा।' गाने में जोनिता एक स्टाइलिश, चंचल और आत्मविश्वास से भरपूर अंदाज में नजर आ रही हैं।

आकांक्षा चमोला फिर विवादों में

मुंबई (एजेन्सी)। बिग बॉस 19 के विजेता गौरव खन्ना की पत्नी आकांक्षा चमोला हाल ही में एक इवेंट में अपनी हरकतों को लेकर विवादों में घिर गई हैं। उन्हें पहले डांस परफॉर्मेंस के कारण ट्रोल किया गया था, और अब एक नए वीडियो के वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर उनकी जमकर आलोचना हो रही है। दरअसल, आकांक्षा एक इवेंट में मौजूद थीं जहाँ संस्कृत मंत्र ओम शिवोहम बज रहा था। इस गंभीर और धार्मिक मौके पर आकांक्षा का अजीब सा मुंह बनाना लोगों को पसंद नहीं आया। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही यूजर्स ने उनकी इस हरकत पर आपत्ति जताई, कुछ ने उन्हें तमीज की कमी बताते हुए नसीहत दी। ट्रोलर्स की बढ़ती आलोचना के जवाब में, आकांक्षा ने इन्फ्लुएंसर जयति अनस्क्रिप्टेड का एक वीडियो साझा किया। जयति ने इस मुद्दे पर खुलकर बात करते हुए सवाल उठाया कि गौरव खन्ना की बिग बॉस जीत आकांक्षा के लिए क्यों समस्या बन गई है और उनके हर कदम पर इतनी कड़ी नजर क्यों रखी जा रही है। उन्होंने दोहरे मापदंड की ओर इशारा किया, यह बताते हुए कि जब गौरव ने अपने शो अनुपमा का प्रमोशन किया और सह-कलाकारों के साथ रोमांटिक सीन किए, तब किसी ने आलोचना नहीं की।

सामूहिक गोद भराई कार्यक्रम संपन्न - गर्भवती माताओं को दी गई स्वास्थ्य व संस्कारों की सीख

विदिशा। विदिशा शहर में आज गायत्री परिवार के सहयोग से सामूहिक गोद भराई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 30 गर्भवती माताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी एवं कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता कस्बा, परियोजना अधिकारी श्री संजय सिंह तथा विभागीय सुपरवाइजर एवं अन्य सहयोगी कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में संपन्न हुआ है।

महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता लोढ़ा ने बताया है कि सभी गर्भवती माताओं का पारंपरिक विधि से गोद भराई संस्कार किया गया, जिससे उनमें उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ।

इस अवसर पर गर्भावस्था के दौरान आवश्यक सावधानियों, संतुलित आहार, नियमित स्वास्थ्य जांच एवं टीकाकरण के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि गर्भकाल में उचित देखभाल से माता और शिशु दोनों का स्वास्थ्य बेहतर रहता है।

कार्यक्रम में अध्यात्म के माध्यम से गर्भस्थ शिशु के मानसिक एवं नैतिक विकास पर भी प्रकाश डाला गया। बताया गया कि सकारात्मक विचार, अच्छे संस्कार और ध्यान-योग के माध्यम से आने वाली पीढ़ी को संस्कारवान, संकल्पशक्ति से परिपूर्ण, बलशाली एवं कुशाग्र बनाया जा सकता है। इस दौरान शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई, जिनमें प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एवं लाड़ली लक्ष्मी योजना प्रमुख रहीं। साथ ही जिला अस्पताल में उपलब्ध बर्थ वेटिंग एरिया की सुविधा के बारे में भी बताया गया।

कार्यक्रम के अंत में सभी गर्भवती माताओं को संस्कार से संबंधित वीडियो प्रदर्शित किए गए, जिससे उन्हें गर्भावस्था के दौरान सकारात्मक वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया जा सके ।

हाईकोर्ट आदेश की अवहेलना पर शिवपुरी सीएमएचओ संजय ऋषेश्वर निलंबित

सी एम एच ओ जिला शिवपुरी निलंबित कर्मचारियों में खुशी जिला शिवपुरी के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजय ऋषिश्वर को आयुक्त लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मध्य प्रदेश द्वारा तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए मुख्यालय क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाएं ग्वालियर चंबल संभाग रखा गया है संजय ऋषिश्वर के कार्यकाल में शिवपुरी में बहुत भ्रष्टाचार हुआ है जिसकी कई शिकायत है शासन और कमिश्नर के यहां लंबित है

इनके निलंबित होने पर जिला शिवपुरी के पीड़ित कर्मचारियों में खुशी की लहर दौड़ी है आयुक्त का आभार माना है अभी तो और भी कई जांच लंबित हैं कर्तव्य में लापरवाही पर गिरी गाज, स्वास्थ्य विभाग में मचा हड़कंप मध्यप्रदेश के लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग ने शिवपुरी के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. संजय ऋषेश्वर को निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई ग्वालियर खंडपीठ के उच्च न्यायालय के आदेशों का पालन न करने और विभागीय निर्देशों की अनदेखी के चलते की गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, वर्ष 2018 में दायर एक रिट याचिका में न्यायालय ने संबंधित अधिकारियों को समय-समय पर पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। बावजूद इसके, निर्धारित समयसीमा में प्रतिवेदन प्रस्तुत नहीं किया गया। मामले को गंभीर मानते हुए न्यायालय ने अवमानना की कार्यवाही प्रारंभ करने के निर्देश दिए। विभागीय जांच में यह तथ्य सामने आया कि संबंधित प्रकरण में नोडल अधिकारी होने के बावजूद डॉ. ऋषेश्वर ने समय पर आवश्यक कार्रवाई नहीं की। इसके चलते न्यायालय में शासन की स्थिति कमजोर हुई और विभाग की छवि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। इसे कर्तव्य के प्रति लापरवाही और शासकीय नियमों के उल्लंघन की श्रेणी में माना गया। इन्हीं आधारों पर मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1966 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबन की कार्रवाई की गई है। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय ग्वालियर स्थित क्षेत्रीय संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं कार्यालय निर्धारित किया गया है। साथ ही, उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता प्रदान किया जाएगा। इस कार्रवाई के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप की स्थिति है। प्रशासनिक स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित करने और लापरवाही पर सख्त कार्रवाई के स्पष्ट संकेत माने जा रहे हैं

अमलाई, कदमटोला और पाथरी क्रमांक-1 में शराब पैकरी का फैलता जाल, गांवों तक पहुंच रहा जमुना ठेका का नेटवर्क

कुमार गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

जमुना/कोतमा/अनूपपुर। जिले के अमलाई क्षेत्र अंतर्गत कदमटोला एवं ग्राम पंचायत पायरी क्रमांक-1 इन दिनों अवैध शराब पैकरी को लेकर चर्चा का केंद्र बने हुए हैं। क्षेत्र के ग्रामीण लगातार आरोप लगा रहे हैं कि जमुना स्थित शराब ठेके से जुड़े लोगों द्वारा गांव-गांव में संगठित तरीके से शराब की सप्लाई और पैकरी करवाई जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यह कारोबार लंबे समय से संचालित हो रहा है, लेकिन जिम्मेदार विभागों की चुप्पी के कारण शराब का नेटवर्क लगातार गांवों तक फैलता जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार जमुना ठेके से जुड़े पवन सिंह एवं राधधीर सिंह द्वारा विद्या नामक व्यक्ति सहित कई बाहरी लोगों को गांवों में शराब पहुंचाने और बेचने की जिम्मेदारी दी गई है। आरोप है कि अमलाई, कदमटोला, पायरी क्रमांक-1 तथा आसपास के क्षेत्रों में खुलेआम शराब की पैकरी की जा रही है।

शाम ढलते ही अलग-अलग स्थानों पर शराब आसानी से उपलब्ध होने लगती है और देर रात तक बिक्री जारी रहती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले शराब लेने के लिए लोगों को ठेके तक जाना पड़ता था, लेकिन अब गांवों में ही शराब पहुंचाई जा रही है। इससे युवाओं में नशे की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। कई परिवारों में घरेलू विवाद और आर्थिक परेशानियां बढ़ने लगी हैं। महिलाओं ने भी गांवों का सामाजिक माहौल खराब होने की शिकायत की है। उनका कहना है कि शराब बिक्री के कारण बाहरी लोगों की आवाजाही बढ़ गई है, जिससे ग्रामीणों में असुरक्षा की भावना बन रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि शराब पैकरी का यह कारोबार चोरी-छिपे नहीं बल्कि खुलेआम संचालित हो रहा है। गांवों के कई स्थानों पर दिन और रात दोनों समय शराब बिक्री की बातें सामने आ रही हैं। इसके बावजूद आबकारी विभाग और स्थानीय प्रशासन की ओर से कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं दिखाई दे रही। यही कारण है कि ग्रामीणों में यह सवाल उठने लगा है कि आखिर इतने बड़े स्तर पर चल रहे नेटवर्क पर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि अवैध शराब बिक्री के कारण क्षेत्र का सामाजिक संतुलन बिगड़ रहा है। युवा मजदूरी और रोजगार से दूर होकर नशे की गिरफ्त में जा रहे हैं। कई बुजुर्गों ने आशंका जताई है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो आने वाले दिनों में क्षेत्र में अपराध और असामाजिक गतिविधियां बढ़ सकती हैं।

सहारा हॉस्पिटल में 8 माह में बच्चे की श्वांस नली में फसे मूँगफली के छिलके को सर्जरी कर निकाला

ग्वालियर।

2 मई 2026 सहारा हॉस्पिटल के सुप्रसिद्ध वरिष्ठ चिकित्सक नाक, कान, गला, रोग विशेषक सहारा हॉस्पिटल के फाउंडर डॉ. ए. एस. भल्ला ने 8 माह के बच्चे के गले में श्वांस नली में फसे मूँगफली के छिलका को दूरवीन से सफल सर्जरी कर निकाला बच्चे के माता पिता एवं परिवार भयभीत थे कि अब क्या होगा लेकिन सहारा हॉस्पिटल सोफिया कॉलेज कैंपस महलगांव सिटी सेंटर ग्वालियर में आकर डॉ. ए. एस. भल्ला साहब की दिखाया डॉ. ए. एस. भल्ला ने देखकर बच्चे की स्थिति देखकर जाँच की तब पता चला की श्वांस नली में मूंगफली का छिलका फसा था बच्चे को भर्ती कर दूरबीन से सर्जरी कर श्वांस नली से मूँगफली का छिलका निकालकर बच्चे की जान बचाई । सहारा हॉस्पिटल 35 वर्षों से इसी प्रकार की सेवाएं आंचल में दे रहा है सहारा हॉस्पिटल चाहे गन शॉट के कैस हो चाहे एक्सीडेंट के हो सभी का सफल इलाज कर जान बचाई जाती है

ये नारी मन दुसर नारी के,
जिनगी मा डाका डारे हें।
पर के पति ला छीन-झपट के,
अपन जिनगी ला संवारे हे।।
नारी होके दुसर नारी ला,
ये मन हा बरबाद करे हें।
तब ले अंधरा सनातनी मन हा,
ये चोट्टी मन ला मुड़ मा धरे हे।।
लक्ष्मी नारायण कुम्भकार सचेत
दुर्ग (छ0ग0)

जबलपुर में बरगी जलाशय में हुए दुखद क्रूज हादसे में लापरवाही के मामले में दोषियों पर सख्त कार्रवाई की गई है

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ/जबलपुर। जबलपुर में बरगी जलाशय में हुए दुखद क्रूज हादसे में लापरवाही के मामले में दोषियों पर सख्त कार्रवाई की गई है। क्रूज पायलट महेश पटेल, क्रूज हेल्पर छोटेलाल गोंड एवं टिकट काउंटर प्रभारी बृजेंद्र की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त की गई हैं। होटल मैकल रिसॉर्ट और बोट क्लब बरगी के मैनेजर सुनील मरावी को कार्य में लापरवाही बरतने के कारण निलंबित किया गया है, जबकि रीजनल मैनेजर संजय मल्होत्रा को मुख्यालय अटैच कर विभागीय जांच संस्थित की गई है। दोषियों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए शासन हर संभव सहायता के लिए प्रतिबद्ध है

पद्मश्री फूलबासन बाई से मिला उदयाचल

कुछ दिनों पूर्व उनके अपहरण का प्रयास हुआ ईश्वर की कृपा से और उनके सत्कर्मों से उनके प्राण बचे उसी संदर्भ में उदयाचल के सदस्य फूलबासन बाई से मिलने उनके निवास पर पहुंचे उल्लेखनीय है कि पद्मश्री फूलबासन उदयाचल की आजन्म सदस्य हैं उनका नागरिक अभिनंदन उदयाचल में हुआ था जब उन्हें पद्मश्री मिली थी गत दिनों उदयाचल के वार्षिक उत्सव में पद्मश्री फूलबासन बाई स्वयं उपस्थित थी उदयाचल के सदस्यों ने उनकी पूरी बात सुनी और उन्हें सांत्वना दी इस घटना के चलते उदयाचल के सदस्यों ने उनके घर की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे लगवाने का निर्णय लिया। पद्मश्री डॉक्टर पुखराज बाफना अध्यक्ष बृजकिशोर सुरजन सचिव अतुल रायचा एवं सह कोषाध्यक्ष प्रकाश श्रीश्रीमाल उनके परिवार के साथ मिलकर उन्हें सांत्वना दी और आगे भी किसी भी तरह के सहयोग के लिए उन्हें आश्वासन दिया।

भव्य मंदिर के निर्माण हेतु भूमि पूजन एवं शिलान्यास कार्यक्रम सम्पन्न

कुंभ 2027 की तैयारियाँ हुई तेज़

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर- श्री पंचायती अखाड़ा नया उदासीन (निर्वाण) त्र्यंबकेश्वर (नासिक) महाराष्ट्र में जगतगुरु श्री चंद्र भगवान जी के मंदिर निर्माण हेतु भूमि पूजन एवं भव्य शिलान्यास किया गया,इसी के साथ कुंभ 2027 की तैयारियाँ भी तेज़ हो गयी।
त्र्यंबकेश्वर (नासिक) महाराष्ट्र की पावन भूमि नासिक में 'श्री पंचायती अखाड़ा नया उदासीन (निर्वाण)' द्वारा एक धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुआ। विगत दिनों 6 मई को अखाड़े के मुखिया महंत श्री भगत राम जी एवं श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर श्री करौली शंकर दास जी महाराज ने बड़े ही हर्षोल्लास से भगवान श्री चंद्र जी के भव्य मंदिर के निर्माण हेतु विधि-विधान से भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया गया।
मंदिर निर्माण की नींव रखने से पूर्व,अखाड़े के मुखिया महंत श्री भगत राम जी और महामंडलेश्वर श्री करौली शंकर दास जी महाराज ने त्रंबकेश्वर महादेव के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पूजन के दौरान वैदिक मंत्रोचार के साथ भूमि पूजन किया गया,जो आगामी त्र्यंबकेश्वर नासिक कुंभ ड्ड 2027 के पूर्व भव्य निर्माण कार्य की आधिकारिक शुरुआत का प्रतीक है। इस अवसर पर अखाड़े के सचिव श्री जगतार मुनि जी एवं अध्यक्ष श्री धुनीदास जी ने मुखिया महंत जी और महामंडलेश्वर जी को इस पुनीत कार्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं। कार्यक्रम में मुकामी महंत श्री गोपाल दास जी, बुद्ध मुनि जी,खड़ेश्वर बाबा, रामदास जी (जालंधर), मौलेंद्र

दास,परमेश्वर दास, आशुतोष मुनि,मुख्य सेवक श्री नितिन दास जी,मनीष दास जी और शैलेश पटेल सहित कई गणमान्य संतों और सेवकों ने सक्रिय सहभागिता की।
भूमि पूजन के साथ-साथ आगामी नासिक कुंभ 2027 की तैयारियों का भी विस्तृत जायजा लिया गया। अखाड़े के लिए एक कार्यबद्ध योजना भी तैयार की गई, जिसके तहत अखाड़े के विकास और आगामी कुंभ में संतो एवं श्रद्धालुओं के सुविधाओं से जुड़े कार्यों को तत्काल प्रभाव से प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया है। शिलान्यास के पावन अवसर पर संतों ने समस्त देशवासियों के कल्याण की कामना की,अखाड़ा के मुखिया महंत श्री भगत राम जी एवं श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर श्री करौली शंकर दास जी महाराज जी ने जगतगुरु भगवान श्रीचंद्र जी और त्र्यंबकेश्वर महादेव जी से सभी देशवासियों के रोग मुक्त,शोक मुक्त,भय मुक्त,भ्रममुक्त और नशा मुक्त मानव होने की प्रार्थना की। अखाड़े ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि यह मंदिर न केवल आस्था का केंद्र बनेगा, बल्कि मानवता की सेवा और आध्यात्मिक चेतना का भी मुख्य स्तंभ होगा। उक्ताशय की जानकारी करौली शंकर महादेव धाम के दीक्षित भक्त हनी चौरसिया एवं राजेश सिंह ने दी।

ग्राम पंचायत बदरा मे बालिका सशक्तिकरण के लिए लाड़ली लक्ष्मी उत्सव का आयोजन

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर। जिले के ग्राम पंचायत बदरा में मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत बालिका सशक्तिकरण एवं समाज में सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भव्य लाड़ली लक्ष्मी उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में योजना की उन बालिका हितग्राहियों का सम्मान किया गया, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल की हैं। इस अवसर पर पात्र बालिकाओं को योजना अंतर्गत प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत बदरा सरपंच शिवभान सिंह जनपद सदस्य चन्द्रवती भरती आंगनवाड़ी पर्यवेक्षक श्याम कुशवाह आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ममता मिश्रा, दिशा बैग राधा बैग सुनीता अवस्थी सहित बदरा सकोला पकरिहा के आंगनबाड़ी कार्यकर्ता तथा जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। उत्सव में रंगोली आयोजन किया गया तथा लाड़ली बालिकाओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम को आकर्षक बनाया गया। साथ ही बालिकाओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि योजना

से उन्हें शिक्षा और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली है। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने लाड़ली लक्ष्मी योजना एवं छात्रवृत्ति से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करते हुए बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने पर जोर दिया। यह आयोजन समाज में बेटियों के प्रति सम्मान और जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक सार्थक पहल साबित हो रहा है।

कुसमी में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना का भव्य आयोजन, 127 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ/ सीधी/ गोतरा

सीधी जिले के कुसमी जनपद अंतर्गत अष्टभुजी देवी मंदिर गोतरा परिसर में मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के तहत भव्य सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में 127 जोड़े वैदिक मंत्रोच्चार एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ वैवाहिक बंधन में बंधे। पूरे आयोजन में सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक परंपरा और जनभागीदारी का उत्साहपूर्ण वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम सांसद डॉ. राजेश मिश्रा के मुख्य आतिथ्य एवं धौहनी विधायक कुंवर सिंह टेकाम की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू रामजी सिंह, जनपद अध्यक्ष श्यामवती सिंह, जिला पंचायत सदस्य हीराबाई सिंह एवं जनपद उपाध्यक्ष भूपाल सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ अष्टभुजी एवं भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। आचार्यों द्वारा वैदिक विधि-विधान के साथ विवाह संस्कार संपन्न कराए गए। सभी नवविवाहित जोड़ों को शासन की ओर से 49-49 हजार रुपए की सहायता राशि प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने नवदंपतियों

को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना केवल एक शासकीय योजना नहीं, बल्कि समाज के कमजोर और जरूरतमंद परिवारों के लिए संवेदनशील सहयोग का माध्यम है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार गरीब परिवारों की बेटियों के सम्मान और उनके सुरक्षित भविष्य के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सांसद डॉ. मिश्रा ने कहा कि विवाह भारतीय संस्कृति का सबसे पवित्र संस्कार है, जो केवल दो व्यक्तियों को ही नहीं बल्कि दो परिवारों को भी जोड़ता है। उन्होंने नवदंपत्तियों से आग्रह किया कि वे अपने वैवाहिक जीवन की शुरुआत प्रेम, विश्वास, आपसी समझ और जिम्मेदारी के साथ करें। उन्होंने कहा कि परिवार तभी मजबूत बनता है जब उसमें सम्मान, धैर्य और सहयोग की भावना हो। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सहायता पहुंचाना है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना ने हजारों गरीब परिवारों की चिंता कम की है और बेटियों के विवाह को सम्मानजनक स्वरूप प्रदान किया है।

सांसद डॉ. मिश्रा ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखद एवं समृद्ध जीवन की कामना की तथा टिकौना स्वरूप 11 हजार रुपए देने की घोषणा भी की। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना गरीब परिवारों के लिए अत्यंत उपयोगी और राहत प्रदान करने वाली योजना सिद्ध हुई है। उन्होंने कहा कि पहले बेटियों के विवाह को लेकर परिवारों में आर्थिक चिंता बनी रहती थी, लेकिन अब सरकार स्वयं बेटियों के सम्मान और उनके भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए आगे आ रही है। यह योजना सामाजिक समरसता और समानता का भी संदेश देती है, जहां सभी वर्गों के लोग एक साथ मिलकर बेटियों को आशीर्वाद देते हैं।

विधायक श्री टेकाम ने कहा कि विवाह केवल उत्सव नहीं बल्कि जीवन की नई जिम्मेदारियों की शुरुआत है। उन्होंने नवदंपत्तियों से आग्रह किया कि वे परिवार और समाज के मूल्यों को अपनाते हुए एक आदर्श दांपत्य जीवन स्थापित करें। उन्होंने कहा कि बेटियां परिवार और समाज की गरिमा होती हैं और उनका सम्मान करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। विधायक श्री टेकाम ने भी टिकौना स्वरूप 11 हजार रुपए देने की घोषणा की। जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह ने नवदंपत्तियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि वे अपने वैवाहिक जीवन को प्रेम, सहयोग और पारिवारिक मूल्यों के साथ आगे बढ़ाएं तथा समाज के लिए आदर्श बनें।

समारोह के दौरान ÷ऑपरेशन सिंदूर÷ के एक वर्ष पूर्ण होने पर सांसद डॉ. राजेश मिश्रा एवं विधायक कुंवर सिंह टेकाम द्वारा सेवानिवृत्त सैनिकों का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर विकास मिश्रा, उपखंड अधिकारी कुसमी शैलेश द्विवेदी, जनपद पंचायत सीईओ ज्ञानेंद्र मिश्रा, बीआरसीसी अंगिरा द्विवेदी, सरपंच संघ ब्लॉक अध्यक्ष मकरंद सिंह उइके, जनपद सदस्य जमुनी देवी, गणमान्य जन अखंड प्रताप सिंह, राजकुमार तिवारी, रमेश पनाडिया, एसडीओ बीपी कोरी, उपयंत्री प्रदीप द्विवेदी, अमर सिंह, राकेश सिंह, लेखाधिकारी पंकज मिश्रा, अखिलेश पांडेय, रामसुख यादव सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, गणमान्य नागरिक एवं नवविवाहित जोड़ों के परिजन उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड, तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। संपादक : नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)